No. of Printed Pages : 8

BPYE–141

B. A. (GENERAL) PHILOSOPHY

(BAG)

Term-End Examination

June, 2025

BPYE–141 : METAPHYSICS

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

Note : *(i) Answer all the **five** questions.*

(ii) All questions carry equal marks.

*(iii) Answer to question nos. **1** and **2** should be in about **400** words each.*

1. What is the problem of Universal and Particular ? Discuss in detail the problem of Universal and Particular with reference to Nyāya Philosophy. 20

Or

How is the concept of Being understood in Ancient and Medieval Philosophy ? Explain. 20

2. What is Metaphysics ? What kind of questions does metaphysics ask ? Discuss. 20

Or

What is the nature and limits of freedom ? How is the existence of freedom proved by philosophers ? 20

3. Answer any ***two*** of the following questions in about **200** words each :

   (a) Differentiate between Satkāryavāda and Asatkāryavāda. 10

   (b) Write a note on the ontological dimensions of human-person. 10

   (c) Explain Plato's views on the problem of appearance and reality. 10

   (d) What is the role and importance of quantity in Individuation ? Explain. 10

4. Answer any ***four*** of the following questions in about **150** words each :

   (a) Write a note on the 'Method of Deduction'. 5

   (b) Give a historical sketch of the conceptions of matter and form. 5

   (c) Briefly discuss 'Prakṛti Parināmavāda' of Sāṁkhya Philosophy. 5

   (d) Define Reality. Explain the kinds of Reality. 5

   (e) Discuss the nature of 'Brahman' in Advaita-Vedānta Philosophy. 5

   (f) Briefly explain Gabriel Marcel's concept of person. 5

5. Write short notes on any ***five*** of the following in about **100** words each :

   (a) Inherence (Samvāya) 4

   (b) Determinism 4

   (c) Entity as finite 4

(d) Misconceptions about substance 4

(e) Svabhāvavāda 4

(f) Method of Intuition 4

(g) Libertarianism 4

(h) Chaos theory 4

BPYE–141

बी. ए. (सामान्य) दर्शनशास्त्र

(बी. ए. जी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2025

बी.पी.वाई.ई.-141 : तत्वमीमांसा

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) सभी **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

(ii) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

*(iii) प्रश्न क्रमांक 1 और 2 के उत्तर लगभग **400** शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए।*

---

1. सामान्य और विशेष की समस्या क्या है ? न्याय दर्शन के संदर्भ में सामान्य और विशेष की समस्या की विस्तृत चर्चा कीजिए। 20

अथवा

प्राचीन और मध्यकालीन दर्शन में सत् की अवधारणा को कैसे समझा गया है ? व्याख्या कीजिए। 20

2. तत्वमीमांसा क्या है ? तत्वमीमांसा किस प्रकार के प्रश्न पूछता है ? चर्चा कीजिए। 20

अथवा

स्वतंत्रता की प्रकृति और सीमाएँ क्या हैं ? दार्शनिकों द्वारा स्वतंत्रता के अस्तित्व को कैसे सिद्ध किया गया है ? 20

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **200-200** शब्दों में दीजिए :

(अ) सत्कार्यवाद और असत्कार्यवाद के मध्य अंतर बताइए। 10

(ब) मानव-व्यक्ति के सत्तामीमांसा सम्बन्धी आयामों पर एक टिप्पणी लिखिए। 10

(स) आभास और सत् की समस्या पर प्लेटो के मत की व्याख्या कीजिए। 10

(द) वैयक्तिकीकरण के विचार में मात्रा की क्या भूमिका और महत्व है ? व्याख्या कीजिए। 10

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लगभग **150–150** शब्दों में दीजिए :

(अ) 'निगमन पद्धति' पर टिप्पणी लिखिए। 5

(ब) पदार्थ और आकार की अवधारणा की एक ऐतिहासिक रूपरेखा दीजिए। 5

(स) सांख्य दर्शन में 'प्रकृति परिणामवाद' की संक्षिप्त चर्चा कीजिए। 5

(द) सत् को परिभाषित कीजिए। सत् के प्रकारों की व्याख्या कीजिए। 5

(य) अद्वैतवेदान्त दर्शन में 'ब्रह्म' की प्रकृति की चर्चा कीजिए। 5

(र) गैब्रियल मार्सल की व्यक्ति की अवधारणा की संक्षिप्त व्याख्या कीजिए। 5

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** पर लगभग **100–100** शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

(अ) समवाय 4

(ब) नियतत्ववाद 4

(स) सीमित के रूप में वस्तु 4

(द) द्रव्य के बारे में मिथ्या धारणाएँ 4

(य) स्वभाववाद 4

(र) अंत:प्रज्ञा पद्धति 4

(ल) स्वेच्छातंत्रवाद 4

(व) अक्रम सिद्धांत (Chaos theory) 4

× × × × ×